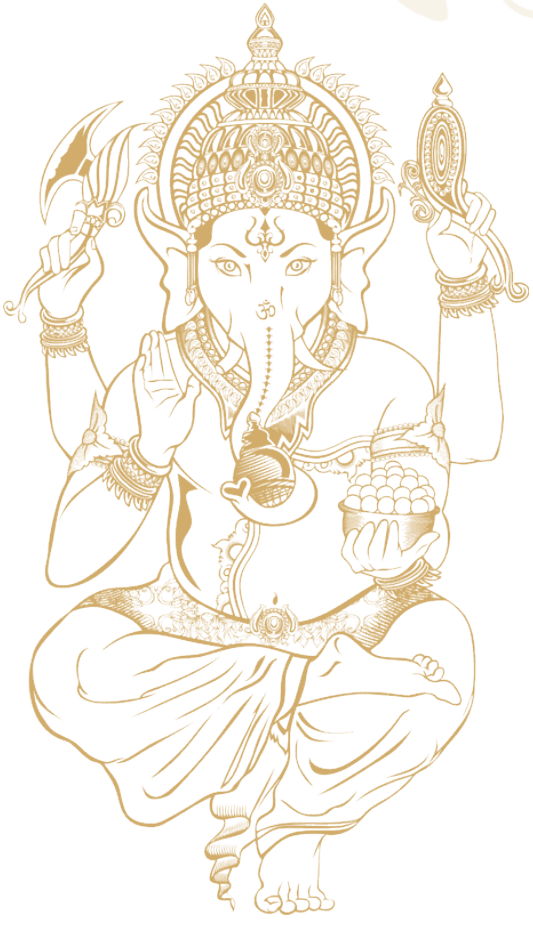

Mr.???? ?????

03 Apr 1985

11:39 AM

Bikaner

Model: web-freekundliweb

Order No: 119467303

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**03/04/1985**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**11:39:00 घंटे**
इष्ट	13:04:32 घटी
स्थान	**Bikaner**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	28:01:00 उत्तर
रेखांश	73:22:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:36:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:02:28 घंटे
वेलान्तर	-00:03:20 घंटे
साम्पातिक काल	23:48:34 घंटे
सूर्योदय	06:25:11 घंटे
सूर्यास्त	18:55:02 घंटे
दिनमान	12:29:51 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	19:47:25 मीन
लग्न के अंश	15:46:53 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	गण्ड
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टा-टाटा
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	15:46:53	319:13:20	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			मीन	19:47:25	00:59:07	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	18:23:42	14:48:23	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मित्र राशि
मंगल			मेष	20:03:55	00:42:46	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	राहु	स्वराशि
बुध	व	अ	मीन	20:22:55	00:48:05	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	नीच राशि
गुरु			मक	17:40:22	00:09:55	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	नीच राशि
शुक्र	व	अ	मीन	20:51:31	00:37:55	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	उच्च राशि
शनि	व		वृश्चि	03:53:31	00:02:33	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	शत्रु राशि
राहु	व		मेष	25:00:29	00:05:23	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	25:00:29	00:05:23	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	सम राशि
हर्ष	व		वृश्चि	24:16:59	00:00:35	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
नेप			धनु	09:58:07	00:00:04	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	---
प्लूटो	व		तुला	10:16:19	00:01:33	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	गुरु	---
दशम भाव			मीन	03:13:55	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:38:50

लग्न-चलित

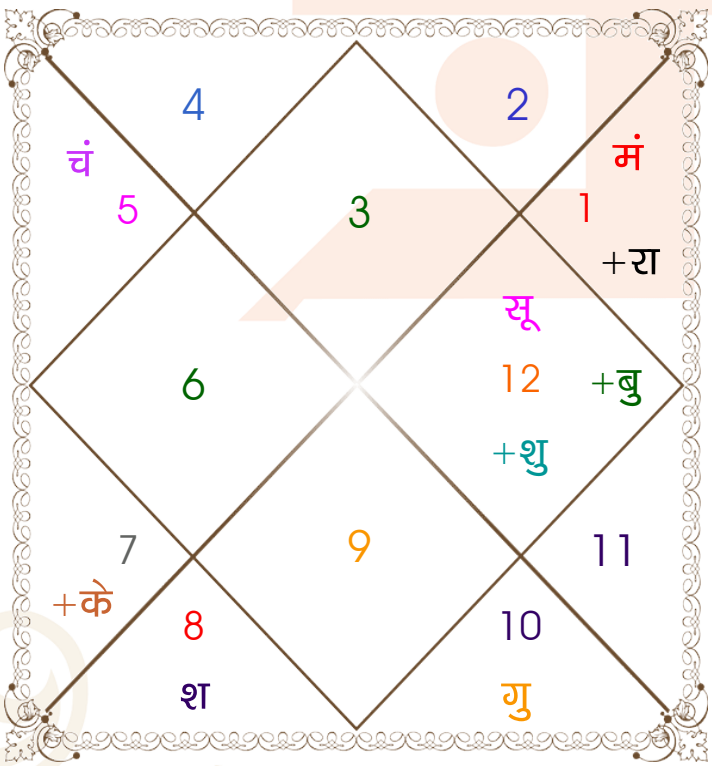

चन्द्र कुंडली

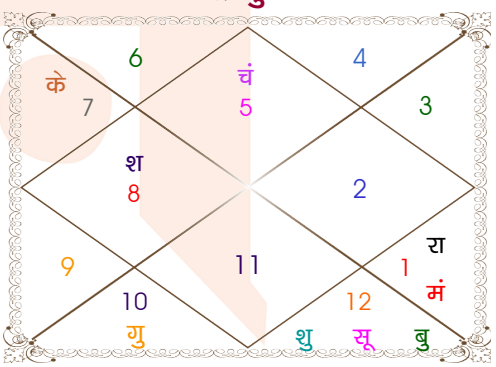

नवमांश कुंडली

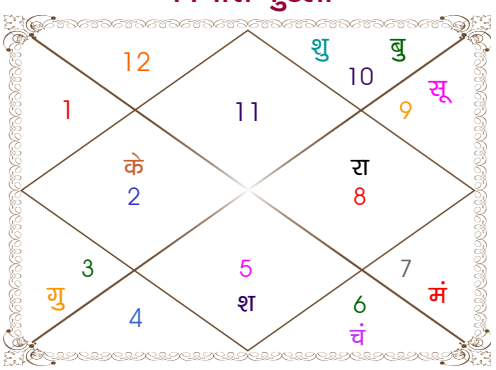

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 12 वर्ष 4 मास 27 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
03/04/1985		30/08/1997		30/08/2003		30/08/2013		30/08/2020	
30/08/1997		30/08/2003		30/08/2013		30/08/2020		30/08/2038	
	00/00/0000	सूर्य	17/12/1997	चंद्र	30/06/2004	मंगल	26/01/2014	राहु	13/05/2023
	00/00/0000	चंद्र	18/06/1998	मंगल	29/01/2005	राहु	13/02/2015	गुरु	05/10/2025
	00/00/0000	मंगल	24/10/1998	राहु	31/07/2006	गुरु	20/01/2016	शनि	11/08/2028
	03/04/1985	राहु	18/09/1999	गुरु	30/11/2007	शनि	28/02/2017	बुध	01/03/2031
राहु	30/10/1987	गुरु	06/07/2000	शनि	30/06/2009	बुध	25/02/2018	केतु	18/03/2032
गुरु	30/06/1990	शनि	18/06/2001	बुध	29/11/2010	केतु	24/07/2018	शुक्र	19/03/2035
शनि	30/08/1993	बुध	24/04/2002	केतु	30/06/2011	शुक्र	24/09/2019	सूर्य	11/02/2036
बुध	30/06/1996	केतु	30/08/2002	शुक्र	28/02/2013	सूर्य	29/01/2020	चंद्र	11/08/2037
केतु	30/08/1997	शुक्र	30/08/2003	सूर्य	30/08/2013	चंद्र	30/08/2020	मंगल	30/08/2038

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
30/08/2038		30/08/2054		30/08/2073		30/08/2090		30/08/2097	
30/08/2054		30/08/2073		30/08/2090		30/08/2097		00/00/0000	
गुरु	17/10/2040	शनि	02/09/2057	बुध	26/01/2076	केतु	26/01/2091	शुक्र	30/12/2100
शनि	01/05/2043	बुध	12/05/2060	केतु	23/01/2077	शुक्र	27/03/2092	सूर्य	31/12/2101
बुध	05/08/2045	केतु	21/06/2061	शुक्र	23/11/2079	सूर्य	02/08/2092	चंद्र	31/08/2103
केतु	12/07/2046	शुक्र	20/08/2064	सूर्य	29/09/2080	चंद्र	03/03/2093	मंगल	30/10/2104
शुक्र	12/03/2049	सूर्य	02/08/2065	चंद्र	28/02/2082	मंगल	30/07/2093	राहु	04/04/2105
सूर्य	30/12/2049	चंद्र	04/03/2067	मंगल	26/02/2083	राहु	18/08/2094		00/00/0000
चंद्र	01/05/2051	मंगल	11/04/2068	राहु	14/09/2085	गुरु	25/07/2095		00/00/0000
मंगल	05/04/2052	राहु	16/02/2071	गुरु	21/12/2087	शनि	02/09/2096		00/00/0000
राहु	30/08/2054	गुरु	30/08/2073	शनि	30/08/2090	बुध	30/08/2097		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 12 वर्ष 4 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति के हो जाएंगे। आप अपनी पत्नी/पति पर प्रभुत्व जमाएंगे। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगे।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहते हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगिनी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरी धर्मपत्नी जीवन संगिनी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है। मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते

हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए। ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।